भारत-क्रोएशिया संबंध

प्रलिम्सि के लयि:

गुटनरिपेक्ष आंदोलन, नाटो

मेन्स के लयि:

भारत-क्रोएशिया संबंधों की पृष्ठभूमि और महत्त्व

चर्चा में क्यों?

हाल ही में भारत और क्रोएशिया के वदिश मंत्रयिों के बीच हुई बैठक में दोनों देशों ने इस बात पर सहमति व्यक्त की कि हदि-प्रशांत, अफगानसि्तान की सथिति, आतंकवाद का मुकाबला करने और साझा आर्थकि हतिों जैसे मुद्दों पर दोनों देशों की स्थति काफी हद तक समान है।

//

प्रमुख बदिु

- **बैठक की मुख्य बातें:**
  - पर्यटन एक बहुत ही महत्त्वपूर्ण क्षेत्र है और दोनों ही देश हवाई संपर्क का वसि्तार करने का प्रयास करेंगे।
  - दोनों का मानना है कि रेलवे, फार्मास्यूटकिल्स, डजिटिल और इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे सेक्टर में काफी संभावनाएँ वद्यिमान हैं।
  - यूरोपीय संघ-भारत संबंध, अफगानसि्तान की सथिति, आर्थकि और सांस्कृतकि सहयोग तथा कोवडि के बाद की रकिवरी सहति आपसी हति के कई वषियों पर भी इस बैठक में चर्चा की गई।
- **भारत-क्रोएशिया संबंधों के बारे में:**
  - क्रोएशिया अपनी भू-रणनीतकि सथिति, यूरोपीय संघ और नाटो का सदस्य होने के साथ-साथ एड्रयािटकि समुद्र तट के माध्यम से यूरोप के लयि गेटवे के दृष्टकिोण से एक महत्त्वपूर्ण मध्य यूरोपीय देश है।

- पूर्व यूगोस्लाविया के दिनों से ही भारत और क्रोएशिया के बीच संबंध मैत्रीपूर्ण रहे हैं।
    - 1990 के दशक की शुरुआत में राजनीतिक उथल-पुथल और संघर्षों की एक शृंखला के परिणामस्वरूप यूगोस्लाविया का विघटन हुआ।
    - इस विघटन ने छ: नए देशों को जन्म दिया अर्थात् बोस्निया और हर्ज़ेगोविना, क्रोएशिया, मैसेडोनिया, मोंटेनेग्रो, सर्बिया तथा स्लोवेनिया।
- भारतीय प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और यूगोस्लाविया के राष्ट्रपति जोसिप ब्रोज़ टिटो, दोनों ही **गुटनिरपेक्ष आंदोलन** के अग्रदूत थे।
- क्रोएशिया के लोगों की भारत में गहरी दिलचस्पी है। ज़ाग्रेब विश्वविद्यालय में इंडोलॉजी विभाग छह दशकों से भी अधिक समय से अस्तित्व में है और एक दशक पहले भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (ICCR) हिंदी पीठ की स्थापना की गई थी।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/india-croatia-relations